NeuSource STARTUP MINDS
HELPING STARTUPS TO START

स्टार्टअप्स के लिए 10 महत्वपूर्ण प्रमाणन

ISO & Allied Certification

प्रमाणित स्टार्टअप,
विश्वास का आधार

We Help Startups to Start

"आज का युग स्टार्टअप्स का युग है। युवा उद्यमी नए विचारों के साथ सामने आ रहे हैं और अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। परंतु, एक सफल स्टार्टअप निर्माण में सबसे बड़ी चुनौती होती है ग्राहकों और निवेशकों का विश्वास जीतना और यहाँ पर Certifications की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। जब हम बात करते हैं Certifications की, तो सबसे पहले ध्यान आता है ISO Certification। ISO, जो कि अंतरराष्ट्रीय मानकों का प्रतीक है, विभिन्न क्षेत्रों के मानकों को निर्धारित करता है। अगर आपके पास ISO 9001 का प्रमाणपत्र है, तो ग्राहकों को ये समझ आता है कि आपका प्रोडक्ट या सर्विस की Quality में दम है। ये उन्हें आप पर भरोसा करने का एक कारण देता है। अगर आपके पास ISO 14001 का प्रमाणपत्र भी है, तो इसका मतलब है की आप पर्यावरण के प्रति भी सजग है। अगर आपका स्टार्टअप खाने-पीने के सामान से जुड़ा है, तो GMP या HACCP जैसे Certifications बताते हैं कि आप उत्पादन प्रक्रिया में गुणवत्ता और सुरक्षा का पूरा ख्याल रख रहे हैं। मतलब, आप सिर्फ धंधे के बारे में नहीं सोच रहे, बल्कि ग्राहकों की भी चिंता कर रहे हैं। अगर आप अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी अपने पाँव पसारना चाहते हैं, तो CE Certification का लेबल आपको यूरोपीय बाजार में आसानी से घुसने का दरवाजा खोल सकता हैं। HALAL Certification से आप मुस्लिम समुदाय के ग्राहकों का भरोसा जीत सकते हैं। इन जैसे Certifications से आपके स्टार्टअप को न सिर्फ एक अच्छी इमेज बनती है, बल्कि ये आपको नए बाजारों में प्रवेश करने, ग्राहकों का विश्वास जीतने और अपने बिजनेस को और भी मजबूती से आगे बढ़ाने में मदद करते हैं और हाँ, इससे आपके स्टार्टअप की प्रतिष्ठा और ब्रांड वैल्यू भी बढ़ाती है"

Index

आईएसओ प्रमाणन : परिचय
(ISO Certification: Introduction)

आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन
(ISO 9001:2015 Certification)

आईएसओ 14001:2015 प्रमाणन
(ISO 14001:2015 Certification)

आईएसओ 45001:2018 प्रमाणन
(ISO 45001:2018 Certification)

आईएसओ 22000:2018 प्रमाणन
(ISO 22000:2018 Certification)

आईएसओ 27001:2016 प्रमाणन
(ISO 27001:2016 Certification)

आईएसओ/ आईईसी 20000-1:2018 प्रमाणन
(ISO/IEC 20000-1:2018 Certification)

सीई प्रमाणीकरण
(CE Certification)

जीएमपी प्रमाणीकरण
(GMP Certification)

एचएसीसीपी प्रमाणीकरण
(HACCP Certification)

हलाल प्रमाणीकरण
(HALAL Certification)

ISO Certification: Introduction

आजकल, भारत में स्टार्टअप्स की बहार आई हुई है। हर कोई नएनए आइडिया के साथ मार्केट में उतर रहा है। पर इस भीड़ में खुद को साबित करना और विश्वसनीयता बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। यहां पर ISO प्रमाणन की भूमिका अहम हो जाती है। ISO, यानी International Organization for Standardization, एक ऐसा मानक है जो दुनियाभर में मान्य है। यह बताता है कि कोई भी कंपनी अपने काम में कितनी सजग और गुणवत्ता के प्रति सचेत है। जब कोई स्टार्टअप ISO प्रमाणित होता है, तो इससे उसके ग्राहकों और निवेशकों में यह विश्वास जागता है कि यह स्टार्टअप अपने काम को गंभीरता और पेशेवराना तरीके से करता है। अगर आपका स्टार्टअप कुछ ऐसा करता है जिसमें गुणवत्ता का बहुत महत्व है, जैसे कि खाद्य पदार्थों का निर्माण या सेवा प्रदान करना, तो ISO प्रमाणन आपके लिए और भी जरूरी हो जाता है। इसके अलावा, जब आप ISO प्रमाणित होते हैं, तो आपके व्यवसाय की प्रक्रियाएँ और भी सुधर जाती हैं। यह प्रमाणन पाने के लिए आपको अपने संगठन की सभी प्रक्रियाओं को मानक के अनुसार बनाना होता है, जिससे आपके काम में पारदर्शिता और सिस्टमैटिक अप्रोच आती है। ISO प्रमाणन आपके स्टार्टअप को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी पहचान दिलाता है। अगर आपके स्टार्टअप का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर कारोबार करना है, तो ISO प्रमाणन आपको इसमें बहुत मदद करेगा। यह दुनिया को दिखाता है कि आपके उत्पाद और सेवाएं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं। ISO प्रमाणन नए स्टार्टअप्स के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उन्हें अपने क्षेत्र में एक मजबूत और विश्वसनीय प्लेयर के रूप में स्थापित करता है और उनके व्यवसाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करता है। इसलिए, अगर आप एक स्टार्टअप चला रहे हैं या चलाने का सोच रहे हैं, तो ISO प्रमाणन पर विचार जरूर करें

01 Type of ISO

सबसे पहले आता है ISO 9001, जो कि गुणवत्ता प्रबंधन (Quality Management) के लिए है। इससे कंपनियां अपने काम की गुणवत्ता बढ़ाती हैं। फिर है ISO 14001, जो पर्यावरण प्रबंधन (Environmental Management) के लिए है। ये पर्यावरण को बचाने में मदद करता है। ISO 45001 वो मानक है जो ऑफिस या फैक्ट्री में काम करने वालों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करता है। इसके बाद आता है ISO 22000, खाने-पीने की चीजों की सफाई और सुरक्षा का ख्याल रखता है। आजकल डेटा की सुरक्षा भी बड़ी बात है, तो ISO 27001 इनफॉर्मेशन सिक्योरिटी (Information Security) में मदद करता है। ये डेटा लीक या चोरी होने से बचाता है।

02 IAF & Non IAF

IAF (International Accreditation Forum) और Non-IAF ISO प्रमाणन के बीच बड़ा फर्क उनकी मान्यता और मान सम्मान में है। IAF से मान्यता प्राप्त ISO प्रमाणन, जो दुनिया भर के मानकों और गुणवत्ता के अनुसार होता है, को ज्यादा मान्यता और सम्मान मिलता है। दूसरी तरफ, Non-IAF ISO प्रमाणन की पहचान और स्वीकार्यता कम होती है, और यह वैश्विक स्तर पर इतना माना नहीं जाता। इसलिए, बिजनेस करने वालों को सलाह दी जाती है कि वे IAF से मान्यता प्राप्त जगहों से ही ISO प्रमाणन लें।

03 Validity, Renewal and Audit

ISO प्रमाणन, जो तीन साल तक वैध रहता है, संगठनों को उनकी कार्य प्रणाली को बार-बार जांचने और उसे ISO के नियमों के अनुसार रखने के लिए प्रोत्साहित करता है। तीन साल पूरे होने पर, इसका नवीनीकरण करने की जरूरत होती है, खास बात यह है कि ISO की Surveillance Audit हर साल होती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संगठन लगातार ISO के नियमों का पालन कर रहे हैं।

04 Accreditation body

भारत में ISO का प्रमाणपत्र अलग-अलग मान्यता प्राप्त प्रमाणन संस्थाओं द्वारा दिया जाता है। जिन्हे Certification Bodies कहा जाता है, ये संस्थाएँ आमतौर पर देशी या वैश्विक स्तर पर पहचानी जाती हैं। इनमें Bureau Veritas, TÜV SÜD, Intertek, DNV GL, BSI Group, QCI, और SGS India जैसे नाम प्रमुखता से शामिल हैं।

ISO 9001:2015 Certification

ISO 9001:2015 एक अंतर्राष्ट्रीय मानक है और इसे जानना हर उस व्यक्ति के लिए जरूरी है जो किसी भी प्रकार का बिज़नेस कर रहा है। यह मानक बिज़नेस को उसकी गुणवत्ता और प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाने में मदद करता है। गुणवत्ता, एक ऐसा शब्द है जिसका महत्व किसी भी क्षेत्र में कम नहीं होता। ISO 9001:2015, में गुणवत्ता को केंद्र में रखते हुए सात मुख्य सिद्धांत हैं, 1. ग्राहक केंद्रितता, मतलब कि ग्राहक की खुशी ही सब कुछ; 2. नेतृत्व, जिसमें बॉस लोग दिशा दिखाएं; 3. लोगों की सहभागिता, मतलब सबकी राय मायने रखती है; 4. प्रक्रिया दृष्टिकोण, यानी हर काम का एक सिस्टम; 5. सुधार, जो हमेशा बेहतरी की ओर ले जाए; 6. तथ्यात्मक निर्णय लेना, मतलब बिना आंकड़ों के कुछ नहीं और 7. संबंध प्रबंधन, जिसका मतलब है अच्छे संबंध बनाए रखना। ये सिद्धांत किसी भी बिज़नेस को न केवल अपने ग्राहकों की जरूरतों को समझने में मदद करते हैं, बल्कि एक सतत सुधार की प्रक्रिया को भी प्रोत्साहित करते हैं। भारत में, जहां व्यापार और उद्योग लगातार बढ़ रहे हैं, ISO 9001:2015 का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह मानक न केवल स्थानीय बाजारों में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धा और विश्वसनीयता को बढ़ाता है। ग्राहकों को यह आश्वासन मिलता है कि वे जो उत्पाद या सेवाएं खरीद रहे हैं वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता की हैं। इस प्रकार, ISO 9001:2015 न केवल एक मानक है, बल्कि यह एक ऐसा टूल है जो कंपनियों को उनकी गुणवत्ता को उच्च स्तर पर ले जाने में मदद करता है, उनके ब्रांड को मजबूत बनाता है, और उन्हें बाजार में एक विश्वसनीय खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है। ISO 9001:2015 किसी भी बिज़नेस के लिए न केवल एक प्रमाणपत्र है, बल्कि यह एक व्यापार दर्शन है, जो उन्हें ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने और बाजार में उनकी स्थिरता को बनाए रखने में सहायता करता है

01 Applicability

ISO 9001:2015 सामान्य तौर पर सभी प्रकार के संगठनों के लिए है, चाहे वो छोटे व्यवसाय हों, मध्यम आकार के उद्यम हों या बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियाँ हों। विशेष रूप से, यह मानक उन संगठनों के लिए महत्वपूर्ण है जो अपने उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता में स्थिरता और सुधार करना चाहते हैं, और ग्राहकों की संतुष्टि पर जोर देते हैं। यह मानक किसी भी उद्योग क्षेत्र के लिए विशिष्ट नहीं है, इसलिए विनिर्माण, सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में भी इसका उपयोग किया जा सकता है।

02 Anticipating Customer Needs

ISO 9001:2015 ग्राहक की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पहचानने और पूरा करने पर जोर देता है। इसका सीधा सा फंडा ये है कि बंधु, अगर आपको बाजार में राज करना है, तो आपको अपने ग्राहक के मन की बात जाननी होगी, वो भी न सिर्फ आज के लिए, बल्कि कल के लिए भी। यानी कि जो ग्राहक आज मांग रहा है, वो तो देना ही है, पर साथ ही साथ आपको ये भी सोचना होगा कि भविष्य में उसकी जरूरतें क्या हो सकती हैं।

03 Requirements

इसमें पहले तो आपको अपनी कंपनी और बाहरी दुनिया के बीच की कड़ी को समझना पड़ता है, फिर आपके टॉप मैनेजमेंट को पूरे दिल से इस सिस्टम में जुटना होता है, और गुणवत्ता के लिए ठोस प्लान बनाने पड़ते हैं। इसके बाद, टीम को सही ट्रेनिंग, जानकारी और जरूरी संसाधन मुहैया कराने होते हैं, और फिर अपने काम के ढंग को पांसू बनाने की प्लानिंग करनी होती है। इसके बाद आता है चेक करना कि सब कैसा चल रहा है और कहाँ सुधार करने की जरूरत है।

04 Comparison

ISO 9001:2015 प्रमाणन की तुलना हम दूसरे ISO मानकों जैसे कि ISO 14001 (जो पर्यावरण प्रबंधन पर फोकस करता है), ISO 27001 (जो सूचना सुरक्षा पर केंद्रित है), ISO 45001 (जो कार्यस्थल की स्वास्थ्य और सुरक्षा का ख्याल रखता है) और ISO 22000 (जो खाद्य सुरक्षा पर ध्यान देता है) से कर सकते हैं। जहां ISO 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन पर जोर देता है, वहीं अन्य मानक अपने-अपने विशेष क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने पर केंद्रित हैं।

ISO 14001:2015 Certification

ISO 14001:2015 वो चीज है जो आपके और हमारे पर्यावरण की चिंता करता है। ये एक अंतरराष्ट्रीय मानक है, जो पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (EMS) के लिए ढांचा प्रदान करता है। सोचिए, जैसे आप अपने घर को साफ-सुथरा रखते हैं, वैसे ही ISO 14001:2015 हमारे पूरे ग्रह को साफ रखने का उद्देश्य रखता है। ये किसी भी तरह के संगठन, चाहे वो छोटा हो या बड़ा, सरकारी हो या निजी, के लिए लागू होता है। इसका मकसद एक ही है – पर्यावरण की रक्षा। इसमें पर्यावरण प्रबंधन के लिए सिस्टमेटिक अप्रोच अपनाया गया है, जिसमें पर्यावरणीय पहलुओं की पहचान, मूल्यांकन और नियंत्रण शामिल हैं, इस मानक को अपनाने से फायदा ये है कि यह सिर्फ पर्यावरण ही नहीं बचाता, बल्कि आपके बिज़नेस को भी फायदा पहुंचाता है। बाजार में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ती है, ग्राहक आप पर भरोसा करने लगते हैं, और आपकी आपातकालीन प्रतिक्रिया में भी सुधार होता है। यानी आपका बिजनेस भी चमकता है, और पर्यावरण भी। भारत में भी इस मानक को अपनाने की दिशा में काम हो रहा है। जब दुनिया पर्यावरण की बात कर रही है, तो हमें भी इस दौड़ में आगे आना होगा। ISO 14001:2015 न सिर्फ पर्यावरण को बचाने का एक जरिया है, बल्कि यह हमें जिम्मेदार और समझदार व्यवसायी बनने का भी मौका देता है। यह सिर्फ पर्यावरणीय बेहतरी के लिए ही नहीं, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है

01 Applicability

ISO 14001:2015 सभी प्रकार के संगठनों के लिए है, चाहे वे किसी भी आकार या क्षेत्र के हों।हों यह मानक विशेष रूप से उन संगठनों के लिए महत्वपूर्ण है जो अपने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना चाहते हैं और सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें विनिर्माण उद्योग, निर्माण क्षेत्र, खनन, ऊर्जा उत्पादन, सेवा क्षेत्र, और यहां तक कि सार्वजनिक और निजी सेक्टर के संगठन शामिल हैं।

02 Resource Efficiencies

ISO 14001:2015 संगठनों को उनके संसाधनों का अधिक कुशलतापूर्वक उपयोग करने में सहायता करता है। मतलब, ये मानक हमें सिखाता है कि कैसे अपनी बिजली, पानी, और और भी रॉ मटेरियल का इस्तेमाल ऐसे करें कि न तो इसमें फिजूलखर्ची हो और न ही पर्यावरण को नुकसान। इसका सीधा सीधा फायदा ये होता है कि खर्चे कम होते हैं और हमारी पर्यावरणीय दक्षता भी बढ़ती है।

03 Flexibility and Adaptability

ISO 14001:2015 बहुत लचीला है और विभिन्न प्रकार के संगठनों पर लागू होता है, चाहे आपकी कंपनी छोटी हो या बड़ी, या फिर आप कोई सेवा दे रहे हों या उत्पाद बना रहे हों, हों यह मानक हर तरह के धंधे पर फिट बैठता है। इसकी खासियत यह है कि यह संगठनों को उनके पर्यावरणीय हालात और जरूरतों के हिसाब से अपना पर्यावरण प्रबंधन सिस्टम खुद डिजाइन करने की छूट देता है।

04 Requirements

इसमें आपको अपनी कंपनी की पर्यावरणीय नीति बनानी होती है, मतलब आप पर्यावरण के लिए क्या कर रहे हैं, ये तय करना। फिर, आपको अपने काम से पर्यावरण पर क्या असर पड़ रहा है, इसका आंकलन करना होता है। इसके अलावा, जितने भी कानूनी नियम-कायदे हैं पर्यावरण को लेकर, उनका पालन करना पड़ता है। आपको पर्यावरणीय लक्ष्य भी तय करने होते हैं और फिर उन तक पहुंचने के लिए एक प्लान बनाना होता है। इसमें टीम को ट्रेनिंग देना, संचार बढ़ाना और रिकॉर्ड रखना भी शामिल है।

ISO 45001:2018 Certification

ISO 45001:2018 एक अंतर्राष्ट्रीय मानक है जो संगठनों को उनके कार्यस्थल में स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों को लागू करने, बनाए रखने और सुधारने में मदद करता है। इसे 2018 में जारी किया गया था, यह मानक कार्यस्थल में स्वास्थ्य और सुरक्षा के जोखिमों को पहचानने, प्रबंधन करने और उन्हें नियंत्रित करने के लिए एक ढांचा प्रदान करता है। इसका उद्देश्य काम के स्थान पर चोटों और बीमारियों को कम करना और एक सुरक्षित और स्वस्थ कामकाजी वातावरण बनाना है। बस, समझ लीजिए कि यह मानक ऑफिस और फैक्ट्रियों के लिए एक ढाल की तरह है, जो कर्मचारियों की सुरक्षा की गारंटी देता है। ISO 45001:2018 ये कहता है कि भाई, हर कंपनी को चाहिए कि वो अपने यहाँ काम करने वालों की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखे। ये मानक सीधे-सीधे कहता है कि बॉस, आपके कर्मचारी आपकी सबसे बड़ी पूंजी हैं, उनकी सुरक्षा में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। इसमें जोखिम प्रबंधन से लेकर आपातकालीन प्रतिक्रिया, सब कुछ कवर किया गया है। इसे लागू करने के फायदे भी कम नहीं हैं। पहला तो यह कि कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ती है, दूसरा यह कि कंपनी की साख भी बढ़ती है। ग्राहक और निवेशक भी खुश होते हैं कि वे एक ऐसी कंपनी से जुड़े हैं, जो अपने कर्मचारियों की परवाह करती है। यह मानक एक नई सुरक्षा संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो कि कामकाजी स्थानों में स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देता है, और इस प्रकार व्यापक सामाजिक और आर्थिक लाभ प्रदान करता है

01 Applicability

ISO 45001:2018 सभी प्रकार के संगठनों के लिए है, चाहे वे किसी भी आकार या क्षेत्र के हों, यह मानक विशेष रूप से उन संगठनों के लिए उपयुक्त है जो अपने कार्यस्थलों पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के मानकों को सुधारना और उन्हें उच्च स्तर पर ले जाना चाहते हैं। इसमें निर्माण क्षेत्र, विनिर्माण, खनन, ऊर्जा, और स्वास्थ्य सेवाएं जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्र शामिल हैं, जहां कार्यस्थल सुरक्षा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, कार्यालय आधारित व्यावसायिक सेवाएं, शिक्षा और खुदरा क्षेत्र भी इस मानक को अपना सकते हैं।

02 OHSAS 18001 Vs. ISO 45001

OHSAS 18001 और ISO 45001 के बीच का मुख्य अंतर इन मानकों द्वारा अपनाए गए प्रतिक्रियात्मक और सक्रिय दृष्टिकोण में है। OHSAS 18001 केवल जोखिमों पर केंद्रित है, इसमें समाधान नहीं होते, जबकि ISO 45001 जोखिमों के साथ-साथ सक्रिय उपायों पर भी ध्यान देता है। ISO 45001 प्रमाणन को मार्च 2021 तक OHSAS 18001 की जगह लेने के लिए डिजाइन किया गया है।

03 Know More

इस प्रमाणन में सिर्फ जोखिमों की पहचान ही नहीं होती, बल्कि अवसरों को भी खोजा जाता है जहाँ सुरक्षा और स्वास्थ्य में सुधार किया जा सकता है। यानी कि खतरों से बचने के साथ-साथ बेहतरी के नए रास्ते भी तलाशे जाते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि कंपनी सभी स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी कानूनों और नियमों का पालन करती है, जिससे कानूनी जोखिम कम होते हैं। यह आपातकालीन स्थितियों के लिए तैयार करता है ताकि अचानक होने वाली समस्याओं से निपटा जा सके।

04 Requirements

इसमें ऑफिस या फैक्ट्री में सुरक्षा के लिए क्या-क्या करना है, इसकी एक लिस्ट बनानी होती है, फिर चाहे वो लीडरशिप टीम हो या आपके कर्मचारी, सबको इसमें शामिल करना होता है। इसके अलावा, आपको एक प्लान भी बनाना होता है कि आप ये सब कैसे लागू करेंगे, इसमें संचार, ट्रेनिंग, और रिकॉर्ड्स रखना शामिल है। इसके बाद, आपको ये भी देखना होता है कि आपकी ये सब चीजें कैसे चल रही हैं और कहां सुधार की जरूरत है।

ISO 22000:2018 Certification

आज के समय में जब हम खाने-पीने की चीजों की बात करते हैं, तो सबसे ज्यादा चिंता हमें उनकी सुरक्षा और गुणवत्ता की होती है। इसीलिए, ISO 22000:2018 नाम का एक मानक उपभोक्ताओं लिए बहुत मायने रखता है। यह मानक खाद्य उत्पादन और वितरण से जुड़ी हर प्रक्रिया पर नजर रखता है। मतलब, खेत से लेकर खाने की मेज तक, जितने भी चरण होते हैं, उन सभी में खाद्य सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है। इसमें साफ-सफाई, संग्रहण, प्रोसेसिंग, पैकिंग, और यहां तक कि परिवहन के तरीके भी शामिल होते हैं। इस मानक का मुख्य उद्देश्य है खाद्य पदार्थों में मिलावट को रोकना। आजकल जहां खाने-पीने की चीजों में मिलावट आम बात है, वहां ISO 22000 यह सुनिश्चित करता है कि जो खाना लोग खा रहे हैं, वो सुरक्षित है। इस मानक के अनुसार, खाद्य संगठनों को एक विस्तृत खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली बनानी पड़ती है। इसमें खतरों का विश्लेषण करना, उन्हें रोकने के उपाय करना और नियमित रूप से उनकी समीक्षा करना शामिल है। इससे उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ता है। जब लोग यह जानते हैं कि जो खाना वे खा रहे हैं वो ISO 22000 के मानकों पर खरा उतरता है, तो वे उसे बेहिचक खा सकते हैं। ISO 22000:2018 न सिर्फ खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करता है बल्कि यह खाद्य उद्योग को एक नई दिशा भी दिखाता है। यह उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों के लिए एक जीत की स्थिति है। इसलिए, ISO 22000:2018 खाद्य उद्योग में एक महत्वपूर्ण कदम है जो सभी को सुरक्षित और स्वस्थ भोजन प्रदान करता है

01 Applicability

ISO 22000 : 2018 सामान्य रूप से खाद्य उद्योग से जुड़े सभी प्रकार के संगठनों के लिए है। यह मानक विशेष रूप से खाद्य उत्पादकों, प्रोसेसर्स, पैकेजर्स, और वितरकों के लिए महत्वपूर्ण है, जो ग्राहकों को सुरक्षित और गुणवत्ता युक्त खाद्य उत्पाद प्रदान करना चाहते हैं। इसमें कृषि उत्पादक, कच्चे माल के सप्लायर, खाद्य प्रोसेसिंग उद्योग, खानपान सेवाएं, और खुदरा विक्रेता शामिल हैं।

02 ISO 22000 Certification Vs. FSSAI

इनमें मुख्य अंतर ये है कि ISO 22000:2018 एक अंतरराष्ट्रीय मानक है जो खाद्य सुरक्षा प्रबंधन सिस्टम पर ध्यान देता है और यह वैकल्पिक है, जबकि FSSAI यानी भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण, भारत में खाद्य पदार्थों की सुरक्षा और मानकों को नियंत्रित करता है और यह भारत में खाद्य व्यवसाय के लिए अनिवार्य है। तो एक तरफ ISO 22000 आपको एक ग्लोबल स्तर की मान्यता देता है, वहीं FSSAI भारत में खाद्य सुरक्षा के नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करता है।

03 Know More

यह सुनिश्चित करता है कि खाद्य सुरक्षा संगठन के DNA में शामिल हो, और किसी भी परिवर्तन को प्रभावी ढंग से संभाला जा सके। यह मानक आपातकालीन स्थितियों में प्रतिक्रिया देने और उससे उबरने के लिए योजना और प्रक्रियाओं को भी शामिल करता है, जिससे संगठन किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति में तेजी से और प्रभावी ढंग से कार्य कर सके। इसमें आपूर्तिकर्ताओं से लेकर वितरकों तक, सभी को शामिल किया जाता है।

04 Requirements

इसमें कंपनियों को अपनी खाद्य सुरक्षा नीतियाँ बनानी होती हैं और इन्हें प्रभावी ढंग से लागू करना होता है। इसमें खाद्य पदार्थों में होने वाले खतरों की पहचान करना, उन्हें नियंत्रित करना, और इस संबंध में कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना शामिल है। साथ ही, संगठनों को खाद्य सुरक्षा संकटों के लिए आपातकालीन योजनाएं तैयार करनी होती हैं और खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली का निरंतर मूल्यांकन और सुधार करना होता है ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ मिल सकें।

ISO 27001:2016 Certification

ISO 27001:2016 एक अंतरराष्ट्रीय मानक है जो सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (ISMS) के बारे में है। यह बताता है कि कैसे कोई कंपनी या संगठन अपनी जानकारी की सुरक्षा कर सकती है। आसान भाषा में कहें तो यह एक तरह का ढांचा है जो यह सुनिश्चित करता है कि आपकी सारी महत्वपूर्ण जानकारी, चाहे वह किसी भी रूप में हो, सुरक्षित रहे। इसकी जरूरत क्यों पड़ी? आज के डिजिटल युग में जानकारी का आदान-प्रदान बहुत तेजी से हो रहा है। इसलिए, इस जानकारी की सुरक्षा बहुत जरूरी हो गई है। अगर इसे ठीक से संभाला नहीं जाए, तो यह किसी के भी गलत हाथों में जा सकती है, जिससे बड़े नुकसान हो सकते हैं। ISO 27001:2016 का मुख्य काम है कि यह एक प्रकार की सुरक्षा प्रणाली बनाता है जिससे कि आपके डेटा की चोरी, गलत इस्तेमाल या नष्ट होने का खतरा कम हो। इसमें न सिर्फ तकनीकी पहलू शामिल हैं बल्कि यह आपके संगठन के लोगों और प्रक्रियाओं को भी ध्यान में रखता है। इसका मतलब है कि इसमें सुरक्षा नीतियां, भौतिक सुरक्षा और IT सुरक्षा सभी शामिल हैं। जब कोई कंपनी या संगठन ISO 27001:2016 के अनुसार काम करती है, तो इससे उनके ग्राहकों और सहयोगियों में विश्वास बढ़ता है कि उनकी जानकारी सुरक्षित हाथों में है। यह उनके व्यापार को भी एक प्रतिस्पर्धी बढ़त देता है, क्योंकि आजकल ग्राहक और व्यापारी डेटा सुरक्षा को बहुत महत्व देते हैं

01 Applicability

ISO 27001:2016 सामान्य रूप से उन सभी संगठनों के लिए है जो अपनी सूचना संपत्तियों की सुरक्षा को महत्व देते हैं। यह विशेष रूप से उन संगठनों के लिए उपयोगी है जिन्हें बड़ी मात्रा में डेटा और सूचना संभालनी पड़ती है, जैसे कि IT कंपनियां, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा संस्थान, और सरकारी एजेंसियां। इसमें वे संगठन भी शामिल हैं जो ग्राहकों के निजी और संवेदनशील डेटा को संभालते हैं।

02 Comparison

इसकी तुलना आमतौर पर डेटा सुरक्षा और प्राइवेसी से जुड़े अन्य मानकों और कानूनों से की जाती है। जैसे कि GDPR, जो यूरोपीय संघ में डेटा प्रोटेक्शन के लिए एक कानून है, और HIPAA, जो अमेरिका में स्वास्थ्य सूचना की सुरक्षा से जुड़ा है। इसके अलावा, PCI DSS जो भुगतान कार्ड से जुड़े डेटा की सुरक्षा करता है। ये सभी मानक या कानून विशेष प्रकार की सूचनाओं की सुरक्षा पर केंद्रित हैं, इसमें से ISO 27001 अधिक व्यापक है और सभी प्रकार की सूचनाओं की सुरक्षा के लिए उपयोगी है।

03 Know More

आजकल साइबर अटैक्स बहुत होते हैं, तो ISO 27001 ये सुनिश्चित करता है कि आपकी कंपनी इन खतरों से बची रहे। यानी आपके पास ऐसे तरीके होने चाहिए जो इन खतरों को पहचान सकें और उनसे बचा सकें और अगर कभी साइबर सिक्योरिटी इंसिडेंट हो जाए, तो ISO 27001 यह भी सुनिश्चित करता है कि आपके पास उसे हैंडल करने का ठोस प्लान हो साथ ही साथ इसमें संगठन को अपने डेटा तक पहुंच को नियंत्रित करना होता है, यानी किसको किस जानकारी तक पहुंच हो सकती है और किसकी नहीं, इसका सही से प्रबंधन करना होता है ।

04 Requirements

इसमें सबसे पहले एक मजबूत सूचना सुरक्षा नीति बनानी होती है, फिर जोखिम मूल्यांकन करके उनका प्रबंधन करना होता है। इसके अलावा, संगठन की संरचना में सूचना सुरक्षा को शामिल करना, कर्मचारियों को इस बारे में प्रशिक्षण और संचार प्रदान करना, नियमित रूप से आंतरिक ऑडिट करना और सूचना सुरक्षा में सतत सुधार करना शामिल है। इसमें सूचना सुरक्षा घटनाओं का प्रबंधन और भौतिक तथा तकनीकी सुरक्षा उपायों को भी लागू करना जरूरी है।

ISO 20000-1:2018 Certification

ISO/IEC 20000-1:2018 वह मानक है जो IT सेवा प्रबंधन के लिए बनाया गया है। जब हम IT सेवाओं को व्यवस्थित और प्रभावी तरीके से चलाते हैं, तो वह IT सेवा प्रबंधन कहलाता है। यह मानक यह सुनिश्चित करता है कि IT सेवाएं, ग्राहकों की जरूरतों के मुताबिक और उच्च गुणवत्ता की हों। आज के दौर में, जहां तकनीकी हर जगह है, वहां IT सेवाओं का महत्व और भी बढ़ जाता है। एक अच्छी IT सेवा का मतलब है कि आपका काम आसानी से और बिना किसी रुकावट के चलता रहे। इसलिए, इस मानक का पालन करने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं दे पाती हैं। ISO/IEC 20000-1:2018 से कंपनियों को यह भी पता चलता है कि उन्हें कहां सुधार करना है। इस मानक में सेवा डिलीवरी, रिलेशनशिप मैनेजमेंट, रिज़ॉल्यूशन, और कंट्रोल जैसे कई पहलू शामिल हैं। इससे न सिर्फ ग्राहक संतुष्टि बढ़ती है, बल्कि कंपनी की आंतरिक कार्यप्रणाली भी मजबूत होती है। ISO/IEC 20000-1:2018 का पालन करने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों को यह भरोसा दिलाती हैं कि वे गुणवत्ता और सेवा मानकों के प्रति समर्पित हैं। इससे उनकी प्रतिष्ठा में इजाफा होता है और नए ग्राहकों को आकर्षित करने में मदद मिलती है। ISO/IEC 20000-1:2018 आज के डिजिटल युग में IT सेवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मानक है। यह कंपनियों को न केवल उनकी सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करता है, बल्कि उन्हें बाजार में एक मजबूत स्थिति दिलाने में भी सहायक है

01 Applicability

ISO 20000-1:2018 सामान्य रूप से उन सभी संगठनों के लिए है जो सेवा प्रदान करते हैं और अपनी सेवा प्रबंधन प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाना चाहते हैं। यह विशेष रूप से आईटी सेवा प्रदाताओं, कॉल सेंटर्स, तकनीकी सहायता केंद्रों के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें वे संगठन भी शामिल हैं जो आंतरिक या बाह्य ग्राहकों को विभिन्न प्रकार की IT सेवाएं प्रदान करते हैं।

02 Comparison

इसकी तुलना अक्सर ITIL से की जाती है। ISO/IEC 20000-1:2018, जो कि आईटी सर्विस मैनेजमेंट के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मानक है, ये कंपनियों को उनकी आईटी सेवाओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता में सुधार करने का एक सिस्टम देता है। दूसरी तरफ, ITIL आईटी सेवाओं के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का एक सेट है, जो मुख्य रूप से आईटी सेवाओं की डिलीवरी और सपोर्ट पर ध्यान देता है।

03 Know More

यह आईटी सिस्टम को लगातार नई तकनीकों और प्रक्रियाओं के साथ अद्यतन और विकसित करने पर जोर देता है, जिससे आपकी कंपनी आधुनिक ट्रेंड्स के साथ कदमताल मिला सके। इस मानक से आपकी आईटी सेवाएं ज्यादा समन्वित और कुशल बनती हैं, जिससे संगठन में सहयोग और समझदारी बढ़ती है। साथ ही, यह आपके आईटी ऑपरेशन्स और टीमों के बीच संचार को भी मजबूत करता है, जिससे समस्याओं का पता लगाना और उन्हें हल करना जल्दी और आसान हो जाता है।

04 Requirements

इसमें आपको अपने बिजनेस में एक धांसू सेवा प्रबंधन सिस्टम बनाना होता है, जिसमें सब कुछ प्लान से चले। आपको सही नीतियां और लक्ष्य बनाने होते हैं, और फिर उन्हें पूरा करने के लिए जरूरी टीम, टेक्नोलॉजी और दूसरे संसाधनों का इंतजाम करना होता है। इसके अलावा, सेवाओं की डिलीवरी और ग्राहकों के साथ रिलेशनशिप मैनेज करने की प्रक्रियाएं भी बनानी होती हैं। और हां, ये भी देखना होता है कि सब कुछ कैसे चल रहा है और कहां सुधार की जरूरत है।

CE Certification

CE प्रमाणन एक तरह का टिकट है जो आपके उत्पाद को यूरोपीय बाजार में आसानी से प्रवेश करने की अनुमति देता है। ये एक मार्क होता है जो ये दर्शाता है कि आपका उत्पाद यूरोपीय संघ के सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप है। CE प्रमाणन भारतीय स्टार्टअप्स के लिए क्यों महत्वपूर्ण है? पहली बात तो यह है कि अगर आप यूरोप में अपने उत्पाद बेचना चाहते हैं, तो CE मार्क आवश्यक है। इससे आपके उत्पाद को वहाँ के बाजार में स्वीकृति मिलती है। इसके अलावा, CE प्रमाणन आपके उत्पाद की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को भी दर्शाता है, जो ग्राहकों का विश्वास जीतने में मदद करता है। स्टार्टअप्स के लिए, जो अक्सर नए होते हैं और उनके पास सीमित संसाधन होते हैं, CE प्रमाणन उन्हें एक बड़े और प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी जगह बनाने में मदद करता है। यह उन्हें उनके प्रतिद्वंद्वियों से अलग करता है और उन्हें एक वैश्विक पहचान दिलाता है। इसके अलावा, CE प्रमाणन प्रक्रिया से गुजरते समय, स्टार्टअप्स को अपने उत्पादन और प्रबंधन प्रक्रियाओं को भी मजबूत करना पड़ता है। इससे उन्हें अपने उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करने और उत्पादन की लागत को कम करने का मौका मिलता है। आज के समय में, जब दुनिया एक ग्लोबल विलेज बन चुकी है, तब CE प्रमाणन भारतीय स्टार्टअप्स के लिए न सिर्फ एक विकल्प है, बल्कि एक जरूरत भी है। यह उन्हें वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाने और अपने बिजनेस को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का मौका देता है

01 Applicability

CE Certification सामान्य रूप से उन सभी निर्माताओं और वितरकों के लिए है जो अपने उत्पादों को यूरोपीय संघ के बाजार में बेचना चाहते हैं। विशेष रूप से, यह उन उत्पादों के लिए आवश्यक है जिन पर यूरोपीय संघ के सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय संरक्षण के मानकों का प्रभाव पड़ता है। इसमें विभिन्न प्रकार के उत्पाद शामिल हैं, जैसे कि विद्युत उपकरण, खिलौने, मेडिकल उपकरण, मशीनरी, निर्माण उत्पाद, और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण।

02 CE Certification Vs. FCC Certification

CE प्रमाणन यूरोपीय संघ के लिए होता है और यह दर्शाता है कि उत्पाद यूरोपीय संघ के स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण मानकों का पालन करते हैं।FCC प्रमाणन अमेरिका में उपयोग किया जाता है, और यह इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की रेडियो फ्रीक्वेंसी, तरंगों और ऊर्जा की जाँच करता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे रेडियो और टेलीकम्युनिकेशन मानकों का पालन करते हैं।

03 Validity, Renewal and Audit

CE प्रमाणन की कोई निश्चित वैधता अवधि नहीं होती है और यह तब तक वैध रहता है जब तक उत्पाद में महत्वपूर्ण परिवर्तन न हों या संबंधित नियम न बदलें। इसका कोई पारंपरिक नवीकरण प्रक्रिया नहीं है, लेकिन बड़े परिवर्तन या निर्देशों में बदलाव होने पर पुनः समीक्षा की जा सकती है। CE प्रमाणन में आंतरिक ऑडिट भी शामिल है, जो संगठन की जिम्मेदारी है और उत्पाद की सुरक्षा और गुणवत्ता को सुनिश्चित करता है।

04 Accreditation body

CE Certification का प्रमाणन Notified Bodies द्वारा किया जाता है। ये नोटिफाइड बॉडीज विभिन्न यूरोपीय संघ के देशों में स्थित स्वतंत्र संस्थाएँ होती हैं जिन्हें यूरोपीय संघ द्वारा मान्यता प्राप्त होती है। ये संस्थाएँ उत्पादों की जांच करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि वे यूरोपीय संघ के सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय संरक्षण संबंधित नियमों और मानकों के अनुरूप हैं।

GMP Certification

GMP, यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस प्रमाणन, भारतीय स्टार्टअप्स के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बन गया है। GMP प्रमाणन का मतलब होता है कि एक कंपनी अपने उत्पादों को बनाने में जो सावधानी और साफ-सफाई की जरूरत होती है, वो सब कुछ ध्यान में रख रही है। ये खासतौर पर खाद्य और औषधि उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के लिए जरूरी है, क्योंकि इन उत्पादों का सीधा संबंध लोगों की सेहत से होता है। जब कोई स्टार्टअप GMP प्रमाणित होता है, तो इससे ग्राहकों को ये विश्वास होता है कि उत्पाद सुरक्षित और विश्वसनीय हैं। इसके अलावा, ये प्रमाणन बाजार में कंपनी की साख और उसकी प्रतिष्ठा को भी बढ़ाता है। एक स्टार्टअप के लिए GMP प्रमाणन प्राप्त करना कई तरह से फायदेमंद है। पहला, इससे कंपनी की उत्पादन प्रक्रियाओं में सुधार होता है। दूसरा, ये सुनिश्चित करता है कि उत्पादों की गुणवत्ता हमेशा ऊंची रहे। तीसरा, ये उत्पादों की सुरक्षा को भी बढ़ाता है, जिससे ग्राहकों का विश्वास बनता है। आज के समय में, जब मार्केट में प्रतिस्पर्धा इतनी ज्यादा है, तब GMP प्रमाणन स्टार्टअप्स के लिए एक अहम हथियार की तरह काम करता है। यह न केवल ग्राहकों को आकर्षित करता है, बल्कि वितरकों और रिटेलर्स का विश्वास भी जीतता है। इसलिए, अगर आपका स्टार्टअप खाद्य या औषधि उत्पाद से जुड़ा हुआ है, तो GMP प्रमाणन आपके व्यवसाय के लिए एक जरूरी कदम हो सकता है

01 Applicability

GMP Certification सामान्य रूप से उन सभी संगठनों और निर्माताओं के लिए है जो खाद्य, औषधीय उत्पाद, कॉस्मेटिक्स, और डायटरी सप्लीमेंट्स जैसे उत्पादों का निर्माण करते हैं। विशेष रूप से, यह औषधीय उत्पादों के निर्माताओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस प्रमाणन से सुनिश्चित होता है कि उत्पादन प्रक्रिया में गुणवत्ता और सुरक्षा के सख्त मानकों का पालन किया गया है।

02 GMP Vs. HACCP Vs. ISO 22000

GMP, HACCP और ISO 22000 ये तीनों खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता से जुड़े प्रमाणन हैं, लेकिन तीनों का अपना एक अलग फोकस एरिया है। GMP बताता है कि खाना बनाने की प्रक्रिया में सफाई और सुरक्षा का कितना ध्यान रखा जा रहा है। HACCP खाद्य उत्पादन में हो सकने वाले खतरों को पहचानने और उनसे बचाव करने पर फोकस करता है। वहीं, ISO 22000 हीं थोड़ा और विस्तार से खाद्य सुरक्षा को देखता है, जिसमें HACCP के सिद्धांतों के साथ-साथ खाने के प्रदूषण को कम करने और खाने के सोर्स का पता लगाने जैसे पहलू भी शामिल हैं।

03 Validity, Renewal and Audit

GMP की वैधता आमतौर पर 3 वर्षों की होती है। इसका नवीनीकरण, जो वैधता समाप्त होने से पहले किया जाता है, एक पुनः ऑडिट प्रक्रिया के द्वारा होता है जिसमें संगठन के GMP मानकों के अनुपालन की जांच होती है। नियमित ऑडिट संगठन की प्रक्रियाओं, ओ उपकरणों, कर्मचारियों की प्रशिक्षण स्थितियों, और स्वच्छता मानकों का निरीक्षण करते हैं।

04 Accreditation body

भारत में GMP (गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस) का प्रमाणन मुख्य रूप से केंद्रीय और राज्य सरकारों के औषध नियंत्रण विभागों द्वारा किया जाता है। ये विभाग औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (Drugs and Cosmetics Act, 1940) और उसके तहत बने नियमों के अनुसार कार्य करते हैं। इसके अलावा, कुछ निजी संस्थान भी हैं जो GMP प्रमाणन प्रदान करते हैं। ये संस्थान अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रमाणीकरण प्रक्रियाएं आयोजित करते हैं और उन्हें अक्सर विभिन्न उद्योगों द्वारा मान्यता प्राप्त होती है।

HACCP Certification

HACCP यानी Hazard Analysis and Critical Control Points, एक ऐसा मानक है जो खासतौर पर खाद्य सुरक्षा के लिए है। HACCP प्रमाणन इसलिए जरूरी है क्योंकि यह खाद्य सुरक्षा के लिए एक वैश्विक मानक है। यह स्टार्टअप्स को अपने खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा को सुनिश्चित करने में मदद करता है। यानी कि अगर आपका स्टार्टअप खाने-पीने के सामान से जुड़ा है, तो HACCP प्रमाणन आपको अपने ग्राहकों को यह विश्वास दिलाने में मदद करता है कि आपका उत्पाद सुरक्षित है। दूसरा, यह प्रमाणन भारतीय स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी पहचान दिलाने में मदद करता है। जब आपके पास HACCP प्रमाणन होता है, तो विदेशी ग्राहक और निवेशक आपके उत्पाद पर ज्यादा भरोसा करते हैं। यह आपके ब्रांड की छवि को मजबूत करता है और आपको वैश्विक बाजार में एक मजबूत स्थिति प्रदान करता है। तीसरा, HACCP प्रमाणन से स्टार्टअप्स को अपने उत्पादन प्रक्रिया को और अधिक संगठित और कुशल बनाने में मदद मिलती है। यह प्रक्रिया आपको उत्पादन के हर चरण में जोखिमों का पता लगाने और उन्हें नियंत्रित करने में सहायता करती है। इससे आपके उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ती है और उत्पादन में होने वाली गलतियाँ कम होती हैं। चौथा, यह प्रमाणन आपको नियामक आवश्यकताओं का पालन करने में मदद करता है। भारत में खाद्य सुरक्षा के लिए कई कानूनी और नियामक मानदंड हैं, और HACCP प्रमाणन आपको इन सभी मानदंडों को पूरा करने में मदद करता है। HACCP प्रमाणन से आपके स्टार्टअप के लिए ग्राहक विश्वास और संतुष्टि बढ़ती है। जब ग्राहक जानते हैं कि आपके उत्पाद HACCP प्रमाणित हैं, तो वे अधिक आत्मविश्वास के साथ आपके उत्पाद को खरीदते हैं

01 Applicability

HACCP Certification सामान्य रूप से उन सभी संगठनों के लिए है जो खाद्य उत्पादन, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, और वितरण में लगे हुए हैं। विशेष रूप से, यह खाद्य प्रोसेसर्स, निर्माताओं, कैटर्स, और खुदरा विक्रेताओं के लिए आवश्यक है।

02 HACCP vs. ISO 22000

दोनों ही प्रमाणन खाद्य सुरक्षा के लिए होते हैं, लेकिन उनके दृष्टिकोण में अंतर होता है। HACCP विशेष रूप से खाद्य उत्पादन प्रक्रिया में संभावित जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन और उन्हें नियंत्रित करने पर केंद्रित है। वहीं, ISO 22000 एक व्यापक खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली प्रदान करता है, जो HACCP के सिद्धांतों के साथ-साथ, संगठन की अन्य प्रक्रियाओं और प्रबंधन प्रणालियों को भी शामिल करता है।

03 Validity, Renewal and Audit

HACCP प्रमाणन आमतौर पर तीन वर्षों के लिए वैध होता है। इसके नवीकरण के लिए, संगठनों को नियमित ऑडिट के माध्यम से HACCP मानकों के अनुरूपता को पुनः प्रमाणित करना होता है। इस प्रमाणन प्रक्रिया में, जोखिम विश्लेषण, क्रिटिकल कंट्रोल पॉइंट्स की पहचान, निगरानी प्रक्रियाओं और सुधारात्मक कार्यवाही की प्रक्रियाएं शामिल होती हैं।

04 Accreditation body

भारत में HACCP प्रमाणन को जारी करने या प्रमाणित करने का काम विभिन्न प्रमाणित निकायों द्वारा किया जाता है। ये निकाय अंतर्राष्ट्रीय मानकों और दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करते हैं। इनमें विभिन्न निजी संगठन, प्रमाणन एजेंसियां और निरीक्षण संस्थाएं शामिल हैं, जैसे कि Bureau Veritas, TÜV SÜD, Intertek, SGS।

HALAL Certification

हलाल का मतलब होता है 'जायज' या 'उचित'। मुस्लिम धर्म में, हलाल वो चीजें होती हैं जो खाने-पीने या इस्तेमाल करने के लिए इस्लामिक कानून के अनुसार सही मानी जाती हैं। हलाल प्रमाणन ये सुनिश्चित करता है कि कोई उत्पाद या सेवा हलाल मानकों के अनुरूप है। ये हमारे भारतीय स्टार्टअप्स के लिए क्यों जरूरी है? भारत एक विविधतापूर्ण देश है जहां कई धर्मों और समुदायों के लोग रहते हैं। यहाँ के मुस्लिम समुदाय का एक बड़ा हिस्सा हलाल प्रोडक्ट्स को तरजीह देता है। इसलिए, अगर कोई स्टार्टअप हलाल प्रमाणित प्रोडक्ट्स बनाता है, तो वह न सिर्फ इस समुदाय का विश्वास जीत सकता है, बल्कि उनके बीच अपनी पहुँच भी बढ़ा सकता है। हलाल प्रमाणन सिर्फ खाद्य उत्पादों तक ही सीमित नहीं है। ये दवाइयों, कॉस्मेटिक्स और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं पर भी लागू होता है। इस प्रमाणन से उत्पादों की शुद्धता और सुरक्षा की गारंटी मिलती है, जिससे ग्राहकों का विश्वास बढ़ता है। वैश्विक बाजार में भी, हलाल प्रमाणित उत्पादों की बड़ी मांग है। दुनिया भर में मुस्लिम आबादी का एक बड़ा हिस्सा है, और इसलिए हलाल प्रमाणित उत्पादों का निर्यात करने वाले स्टार्टअप्स के लिए बड़े अवसर हैं। इसके अलावा, हलाल प्रमाणन से स्टार्टअप्स को अपनी गुणवत्ता और प्रतिबद्धता का परिचय देने का मौका मिलता है। यह उन्हें अपने ब्रांड को मजबूती देने और अपने उत्पादों को एक नैतिक और सामाजिक रूप से जिम्मेदार तरीके से प्रस्तुत करने में मदद करता है। भारतीय स्टार्टअप्स के लिए हलाल प्रमाणन एक सार्थक कदम हो सकता है। यह उन्हें नए बाजारों में प्रवेश करने, ग्राहकों की विशाल वर्ग की सेवा करने, और अपने ब्रांड की पहचान और विश्वास को मजबूत करने का अवसर देता है

01 Applicability

HALAL Certification सामान्य रूप से उन सभी निर्माताओं और वितरकों के लिए है जो मुस्लिम उपभोक्ताओं को अपने उत्पाद बेचना चाहते हैं। विशेष रूप से, HALAL प्रमाणन मांस और पोल्ट्री उत्पादों, डेयरी उत्पादों, कॉस्मेटिक्स, और फार्मास्युटिकल्स जैसे उत्पादों के लिए आवश्यक है।

02 HALAL Certification vs. KOSHER Certification

HALAL प्रमाणन, मुस्लिम धर्म के नियमों के हिसाब से खाने की चीजों की जांच करता है। ये देखता है कि खाना इस्लामी नियमों के मुताबिक बना हो, जैसे कि हलाल तरीके से तैयार और पैक किया गया हो। वहीं, KOSHER प्रमाणन, यहूदी धर्म के कश्रुत नियमों के अनुसार खाने की पवित्रता को चेक करता है। ये सुनिश्चित करता है कि खाना और उसकी बनावट यहूदी कानूनों के हिसाब से हो।

03 Validity, Renewal and Audit

HALAL प्रमाणन 1 से 3 साल की वैधता अवधि के साथ आता है। इसका नवीनीकरण आवश्यक है, जिसमें आमतौर पर एक नया ऑडिट शामिल होता है जो सुनिश्चित करता है कि संगठन निरंतर हलाल मानकों का पालन कर रहे हैं। इस ऑडिट प्रक्रिया में, प्रमाणन निकाय उत्पादन सुविधाओं, कच्चे माल, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और वितरण प्रणाली की जांच करते हैं।

04 Accreditation body

भारत में HALAL प्रमाणन, विभिन्न स्वतंत्र HALAL प्रमाणन एजेंसियों द्वारा जारी किया जाता है जैसे कि 'Halal India Pvt Ltd', 'Jamiat Ulama-E-Maharashtra', 'Halal Certification Services India Pvt Ltd', और 'Jamiat Ulema-I-Hind Halal Trust'।

Costing of Certification

ISO & Other Certifications	Description	IAF	NON IAF
ISO 9001:2015	QUALITY MANAGEMENT SYSTEMS (QMS)	₹ 5,999	₹ 2,999
ISO 14001:2015	ENVIRONMENT MANAGEMENT SYSTEM (EMS)	₹ 7,999	₹ 3,999
ISO 45001:2018	OCCUPATIONAL HEALTH AND SAFETY (OH&S)	₹ 9,999	₹ 3,999
ISO 22000:2018	FOOD SAFETY MANAGEMENT SYSTEM (FSMS)	₹ 14,999	₹ 4,999
ISO 27001:2013	INFORMATION SECURITY MANAGEMENT SYSTEM (ISMS)	₹ 19,999	₹ 4,999
ISO 13485:2016	QUALITY MANAGEMENT SYSTEM FOR MEDICAL DEVICES	₹ 29,999	₹ 5,999
ISO 21001:2018	EDUCATIONAL ORGANIZATIONS MANAGEMENT SYSTEM	₹ 29,999	₹ 3,999
ISO 10004:2018	QMS(CUSTOMER SATISFACTION, GUIDELINES FOR MONITORING AND MEASURING	NA	₹ 3,999
ISO 15782-1:2009	CERTIFICATE MANAGEMENT FOR FINANCIAL SERVICES PUBLIC KEY CERTIFICATES	NA	₹ 6,999
ISO 17025:2017	TESTING AND CALIBRATION LABORATORIES	NA	₹ 8,999
ISO 20000-1:2018	SERVICE MANAGEMENT SYSTEM (SMS)	NA	₹ 5,999
ISO 37001:2016	ANTY BRIBERY MANAGEMENT SYSTEM	NA	₹ 5,999
ISO 39001:2012	ROAD TRAFFIC SAFETY MANAGEMENT SYSTEM	NA	₹ 5,999
ISO 90003:2018	SOFTWARE ENGINEERING — GUIDELINES FOR THE APPLICATION OF ISO 9001:2015 TO COMPUTER SOFTWARE	NA	₹ 5,999
CE CERTIFICATION	"CONFORMITE EUROPEENNE" (EU HEALTH, SAFETY, AND ENVIRONMENTAL REQUIREMENTS, WHICH ENSURE CONSUMER SAFETY)	₹ 9,999	
GMP CERTIFICATION	GOOD MANUFACTURING PRACTICE (PRODUCTS ARE CONSISTENTLY PRODUCED AND CONTROLLED ACCORDING TO QUALITY STANDARDS)	₹ 5,999	
GDP CERTIFICATION	GOOD DISTRIBUTION PRACTICES	₹ 5,999	
FDA CERTIFICATION	THE FOOD AND DRUG ADMINISTRATION	₹ 9,999	
CMMI CERTIFICATION	CAPABILITY MATURITY MODEL INTEGRATION	₹ 11,999	
HACCP CERTIFICATION	HAZARD ANALYSIS CRITICAL CONTROL POINTS	₹ 5,999	
HALAL CERTIFICATION	HALAL IS AN ARABIC WORD THAT MEANS PERMISSIBLE	₹ 5,999	
ROHS CERTIFICATION	RESTRICTION OF HAZARDOUS SUBSTANCES IN ELECTRICAL AND ELECTRONIC EQUIPMENT (ROHS)	₹ 5,999	
KOSHER CERTIFICATION	ALL PRODUCTS ARE KOSHER FOR ALL YEAR INCLUDING PASSOVER	₹ 5,999	
BIFMA CERTIFICATION	BUSINESS AND INSTITUTIONAL FURNITURE MANUFACTURERS	₹ 5,999	
REACH CERTIFICATION	REGISTRATION, EVALUATION, AUTHORISATION AND RESTRICTION OF CHEMICALS.	₹ 5,999	
FSC CERTIFICATION	FOREST STEWARDSHIP COUNCIL	₹ 9,999	
ORGANIC CERTIFICATION	USDA ORGANIC SEAL, THE PRODUCT IS CERTIFIED ORGANIC AND HAS 95 PERCENT OR MORE ORGANIC CONTENT.	₹ 6,999	

Our Other Publication

Scan & Download All Booklets

NEUSOURCE STARTUP MINDS INDIA LIMITED

Corporate Office

B-11, Basement, Shankar Garden, Vikaspuri
New Delhi-110018 (India)
Email: Info@neusourcestartup.com
Website: www.neusourcestartup.com
Contact:- +91-7305145145, +91-11-46061463
Branches:- Delhi, Kolkata, Lucknow, Bangalore, Jaipur